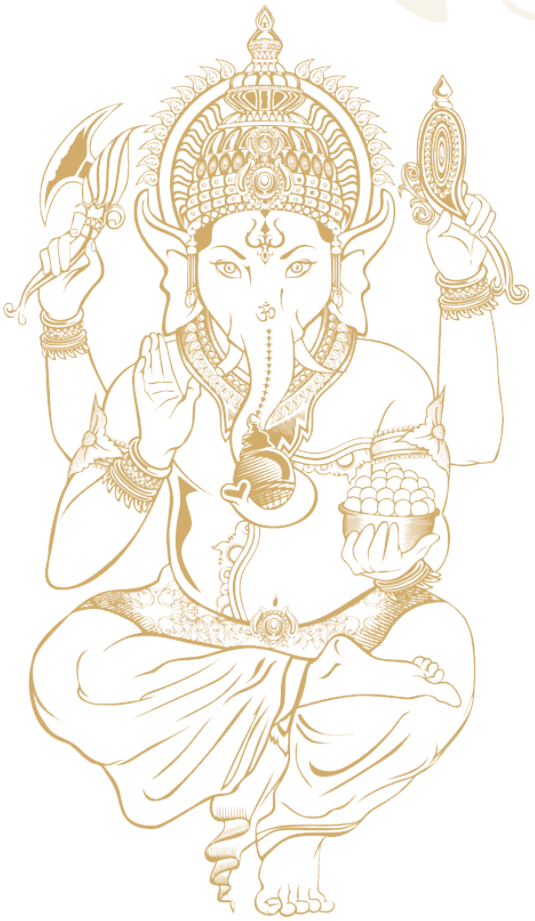

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120145904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/10/1988	जन्म तिथि	28-29/12/1991
सोमवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 07:35:00	जन्म समय	07:00:00 घंटे
घटी 02:59:06	जन्म समय(घटी)	59:28:09 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:21	सूर्योदय	07:12:44
17:50:20	सूर्यास्त	17:32:14
23:42:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:00

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 8मा 10दि	14:53:56	तुला	लग्न	धनु	09:02:52	मंगल 6वर्ष 0मा 20दि
मंगल	00:13:28	तुला	सूर्य	धनु	13:04:00	गुरु
28/06/2025	12:00:25	धनु	चंद्र	कन्या	25:07:54	18/01/2016
28/06/2032	06:59:46	मीन व	मंगल	वृश्चि	27:52:55	18/01/2032
मंगल 24/11/2025	18:51:39	कन्या व	बुध	वृश्चि	20:57:00	गुरु 07/03/2018
राहु 13/12/2026	11:35:13	वृष व	गुरु	सिंह	20:52:26	शनि 18/09/2020
गुरु 19/11/2027	20:55:45	सिंह	शुक्र	वृश्चि	03:09:00	बुध 25/12/2022
शनि 28/12/2028	04:00:56	धनु	शनि	मक	11:46:50	केतु 30/11/2023
बुध 25/12/2029	19:32:36	कुंभ व	राहु व	धनु	16:06:58	शुक्र 31/07/2026
केतु 23/05/2030	19:32:36	सिंह व	केतु व	मिथु	16:06:58	सूर्य 20/05/2027
शुक्र 23/07/2031	04:04:19	धनु	हर्ष	धनु	19:45:21	चन्द्र 18/09/2028
सूर्य 28/11/2031	13:56:15	धनु	नेप	धनु	22:21:21	मंगल 25/08/2029
चन्द्र 28/06/2032	18:03:49	तुला	प्लूटो	तुला	28:15:05	राहु 18/01/2032

लग्न-चलित

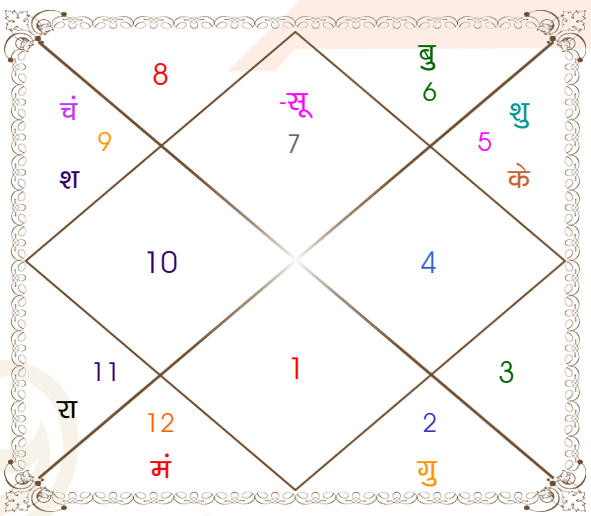

लग्न-चलित

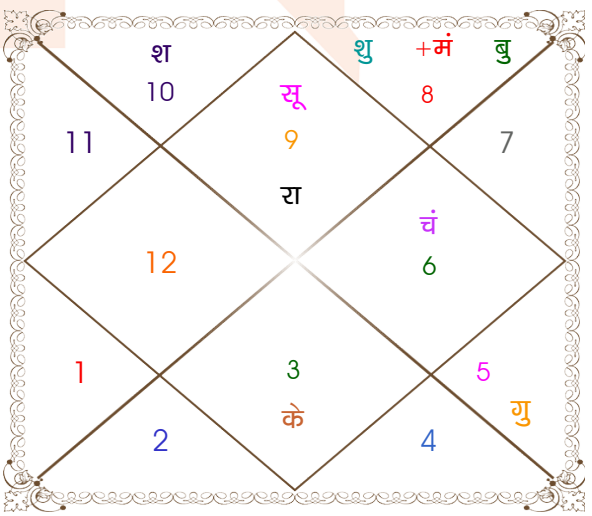

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।